शृंगारप्रदीप ॥

سرنگار پردیپ

जिसमें

※

सच्चिदानन्द आनन्दकन्द परब्रह्म परमेश्वर श्री दशरथनन्दन रामचन्द्रजी व मिथिली राजज-ननी चन्द्रवदनी श्री जनकसुता जानकीजी महारानीकाश्रृंगार मनोहर दोहा कवित्त सवैया व पदोंमें वर्णन किया है ॥

जिसको

श्रीजानकी कृपापात्र सीतारामीय हरिहरप्रसाद जीने बड़े परिश्रम से रचना किया ॥

पहिलीबार

स्थानलखनऊ

मुंशीनवलकिशोरके छापेखानेमें छपा ॥

मार्च सन् १८८६ ई०।